चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	**26.06.2021**	**04**	**03-06**

'हकृवि में सभी कॉलेजों में बनाए जाएंगे स्मार्ट रूम'

हिसार, 25 जून (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ाई करते नजर आएंगे। इसके लिए प्रथम चरण की शुरूआत हो चुकी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कृषि महाविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर कक्ष का उद्घाटन कर इसकी विधिवत रूप से शुरूआत की है।

स्नातकोत्तर कक्ष के उद्घाटन से कृषि महाविद्यालय के स्नातकोत्तर और पी.एच.डी. के विद्यार्थियों को लाभ होगा। उद्घाटन के उपरांत कुलपति ने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्ष बनाएं जाएंगे। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा ने कुलपति का स्वागत करते हुए कृषि महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराया।

एच.ए.यू. के सस्य विज्ञान विभाग में स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन करते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	26.06.2021	03	03-06

उद्घाटन स्नातकोत्तर स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन, जल्द सभी कालेजों में भी बनाए जाएंगे स्मार्ट रूम

एचएयू के विद्यार्थी स्मार्ट क्लास रूम में करेंगे पढ़ाई

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ाई करते नजर आएंगे। इसके लिए प्रथम चरण की शुरूआत हो चुकी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कृषि महाविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर कक्ष का उद्घाटन कर इसकी विधिवत रूप से शुरूआत की है।

स्नातकोत्तर कक्ष के उद्घाटन से कृषि महाविद्यालय के स्नातकोत्तर और पीएचडी के विद्यार्थियों को लाभ होगा। उद्घाटन के उपरांत कुलपति ने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्ष बनाए जाएंगे जिसमें विद्यार्थियों को आधुनिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी। जिसमें इंटरनेट सेवाएं, मल्टीमीडिया, टच स्क्रीन एलईडी व अन्य आवश्यक सेवाएं मुहैया करवाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का हमेशा प्रयास रहता है कि विद्यार्थियों को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान की जाएं। इसके लिए समय-समय पर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित करवाए जाते हैं ताकि विद्यार्थियों का उसी अनुसार प्रदर्शन हो सके। स्मार्ट रूप कक्षा के उद्घाटन के अलावा कृषि महाविद्यालय की कैंटीन का भी उद्घाटन किया गया, जो बाहर से आने वाले आगंतुकों व किसानों के लिए लाभदायक होगी। इस कैंटीन में न्यूनतम दर पर उत्पादों की बिक्री की जानी चाहिए।

एचएयू के सस्य विज्ञान विभाग में स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन करते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य। • डीआइपीआर

कैंटीन में सफाई का रखें ध्यान

कैंटीन में साफ-सफाई व कोरोना महामारी के दौरान केंद्र व राज्य सरकार की जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एके छाबड़ा ने कुलपति को कृषि महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डा. राजवीर सिंह, अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डा. रामनिवास आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	26.06.2021	02	01-03

स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ेंगे एचएयू स्टूडेंट्स

एचएयू के वीसी ने स्नातकोत्तर स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन किया

स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन करते वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज।

सिटी रिपोर्टर • एचएयू के विद्यार्थी जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ाई करते नजर आएंगे। इसके लिए प्रथम चरण की शुरुआत हो चुकी है। विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कृषि महाविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर कक्ष का उद्घाटन कर इसकी विधिवत रूप से शुरुआत की है।

स्नातकोत्तर कक्ष के उद्घाटन से कृषि महाविद्यालय के स्नातकोत्तर और पीएचडी के विद्यार्थियों को लाभ होगा। उद्घाटन के बाद वीसी ने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्ष बनाएं जाएंगे जिसमें विद्यार्थियों को आधुनिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी। जिसमें इंटरनेट सेवाएं, मल्टीमीडिया, टच स्क्रीन एलईडी व अन्य आवश्यक सेवाएं मिलेंगी।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का हमेशा प्रयास रहता है कि विद्यार्थियों को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान की जाए। स्मार्ट रूप कक्षा के उद्घाटन के अलावा कृषि महाविद्यालय की कैंटिन का भी उद्घाटन किया गया। वीसी ने कहा कि इस कैंटिन में न्यूनतम दर पर उत्पादों की बिक्री की जानी चाहिए ताकि सभी इसका आसानी से लाभ उठा सके। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एके छाबड़ा ने वीसी का स्वागत किया। इस अवसर पर वीसी के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. एस.के. सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, डॉ. अमरजीत कालड़ा, नवीन जैन, डॉ. एसके उकरॉल सहित सभी अधिष्ठाता, निदेशक एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	26.06.2021	02	04-05

अब एचएयू के विद्यार्थी स्मार्ट क्लास रूम में कर सकेंगे पढ़ाई

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के विद्यार्थी जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ाई करते नजर आएंगे। इसके लिए प्रथम चरण की शुरुआत हो चुकी है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कृषि महाविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर कक्ष का उद्घाटन कर इसकी विधिवत रूप से शुरुआत की। कुलपति ने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्ष बनाए जाएंगे, जिसमें विद्यार्थियों को आधुनिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसमें इंटरनेट सेवाएं, मल्टीमीडिया, टच स्क्रीन एलईडी व अन्य आवश्यक सेवाएं मुहैया करवाई जाएंगी। इसके अलावा कृषि महाविद्यालय की कैंटीन का भी उद्घाटन किया गया, जो बाहर से आने वाले आगंतुकों व किसानों के लिए लाभदायक होगी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एके छाबड़ा ने कृषि महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराया। इस मौके पर कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, डॉ. रामनिवास ढांडा, अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, डॉ. अमरजीत कालड़ा, नवीन जैन, डॉ. एसके ठकराल आदि मौजूद रहे।

उद्घाटन करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	26.06.2021	01	01-06

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्रों के लि

कुलपति ने प्रथम चरण में स्नातकोत्तर स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ाई करते नजर आएंगे। इसके लिए प्रथम चरण की शुरूआत हो चुकी है। कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कृषि महाविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर कक्ष का उद्घाटन कर इसकी विधिवत रूप से शुरूआत की है। स्नातकोत्तर कक्ष के उद्घाटन से कृषि महाविद्यालय के स्नातकोत्तर और पीएचडी के विद्यार्थियों को लाभ होगा। उद्घाटन के उपरांत कुलपति ने कहा कि जल्द विवि के सभी महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्ष बनाएं जाएंगे। जिसमें विद्यार्थियों को आधुनिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

स्मार्ट रूम में इंटरनेट सेवाएं, मल्टीमीडिया, टच स्क्रीन एलईडी तथा अन्य आवश्यक सेवाएं

हिसार। एचएयू के सस्य विज्ञान विभाग में स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन करते कुलपति बीआर काम्बोज व अन्य। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों को बेहर सुविधाएं देने का प्र

प्रोफेसर ने कहा कि विश्व
हमेशा प्रयास रहता है कि
बेहतरीन सुविधाएं प्रदान व
लिए समय-समय पर राष्ट्र
अंतरराष्ट्रीयस्तर के संस्थ
आदान-प्रदान कार्यक्रम उ
करवाए जाते हैं ताकि विद
अनुसार प्रदर्शन हो सके।
के उद्घाटन के अलावा कृ
की कैंटीन का भी उद्घाटन
बाहर से आने वाले आगंतु
के लिए लाभदायक होगी।

दोनों अवस्थाओं प

मार्गदश

अशोक कु

हम सुबह नाश्ते में
रात के समय क
यह हमारे मूल्यांव
करता है। एआर रहमान का
बिल्कुल अलग है, सचिन
बल्लेबाज कैसे बने,
मूल्यांकन का ही परिणाम
कौन हैं, कितने हैं, कैसे हैं
के चीजों के देखने के नज
है। कोरोना के बाद हम जीव
रहे हैं, उसका मूल्यांकन
इससे ही आने वाले समय
की गुणवत्ता तय होने वाल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	28.06.2021	02	03-06

एचएयू में बनेगा जर्नल क्लब, वैज्ञानिक और स्टूडेंट्स साझा कर सकेंगे शोध परिणाम : वीसी

विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित व्याख्यान में वीसी ने रखे विचार

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में जर्नल क्लब स्थापित किया जाएगा, जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पेक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे। ये विचार एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए।

वे विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार की ओर से मनाए जा रहे अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। भविष्य में भी इस कार्यक्रम के तहत अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वैज्ञानिक व विशेषज्ञ अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। मुख्यातिथि

कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज।

ने कहा कि इस जर्नल क्लब की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी व वैज्ञानिक अपने शोध परिणामों को एक-दूसरे के साथ सांझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे।

सभी वैज्ञानिकों और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को इसमें शामिल होना अनिवार्य होगा। जिससे विश्वविद्यालय के शोध पत्रों की गुणवत्ता में सुधार होगा और उच्च रेटिंग व इम्पेक्ट फैक्टर वाली अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में

अनुसंधान क्षेत्र व प्रयोगशाला में एकत्रित आंकड़ों को ध्यानपूर्वक शामिल किया जाना चाहिए: भागीरथ

ऑस्ट्रेलिया की क्वींसलेंड विश्वविद्यालय के खरपतवार विज्ञान के प्रोफेसर भागीरथ चौहान ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि किसी भी शोध पत्रिका में प्रकाशन से पूर्व ध्यान रखने वाली बातों को बारीकी से समझाया। उन्होंने कहा कि इसके लिए अनुसंधान क्षेत्र व प्रयोगशाला में एकत्रित किए जाने वाले आंकड़ों को ध्यानपूर्वक शामिल किया जाना चाहिए ताकि उच्च श्रेणी की शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो सकें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार संयोजक, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश कुमार सह-संयोजक थे। इस कार्यक्रम में एमएचयू करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास, सहित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक व विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्षों, विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

प्रकाशित किए जा सकेंगे। उन्होंने वैज्ञानिक व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शोध पत्र जमा करवाने से पहले उस पत्रिका की नास रेटिंग, स्कॉपस इंडेक्स आदि की पूरी जानकारी हासिल कर लें ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	27.06.2021	02	03-06

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए एचएयू में ऑनलाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण को लेकर बैठक आयोजित

अफगानी कृषि वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा हकृवि

हिसार, 26 जून (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा।

हकृवि के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजैंसी फॉर इंटरनैशनल डिवैल्पमैंट के अधिकारियों व अमरीका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दकी से ऑनलाइन बैठक के बाद बताया कि हकृवि की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम यूनाइटेड स्टेट एजैंसी फॉर इंटरनैशनल डिवैल्पमैंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजैक्ट के तहत करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियां को समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बैठक के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. काम्बोज व अन्य।

प्रतिभागियों के लिए होगा लाभदायक

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं अंतर्राष्ट्रीय मामलों के इंचार्ज डा. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने हेतू विश्वविद्यालय की ओर से अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों के लिए चार प्रशिक्षण आयोजित कर चुका है, जिनमें से तीन ऑनलाइन व एक ऑफलाइन माध्यम से आयोजित किए गए। कोरोना महामारी के चलते तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण को भी ऑनलाइन माध्यम से 28 से 30 जून तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीक प्रतिभागियों के लिए बहुत ही लाभदायक होंगी और भविष्य में कृषि विज्ञान, कृषि व्यवसाय व स्टार्टअप प्रोजैक्ट को बढ़ावा देने में सहायक होंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	**27.06.2021**	**02**	**06-07**

अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू

हिसार| एचएयू जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा।

प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जीनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जीनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दकी से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	27.06.2021	02	03

तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू

जासं, हिसारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी. आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दक्की से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	27.06.2021	04	04-06

'अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एच.ए.यू.'

हिसार, 26 जून (पकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाववधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी एच.ए.यू. के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. का बोज ने युनाइटेड स्टेट एजैंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमैंट के अधिकारियों व अमरीका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दक्की से ऑनलाइन बैठक के बाद दी।

उन्होंने बताया कि एच.ए.यू. की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजैक्ट के तहत करवाया जाएगा। इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	**27.06.2021**	**09**	**05-07**

अफगानी कृषि अधिकारियों को तकनीकी कौशल देगा एचएयू

■ हकृवि में ऑनलाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान प्रशिक्षण पर बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी हकृवि के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों तथा वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दक्की से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में विवि के विषय विशेषज्ञ एवं वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया जाएगा।

30 तक प्रशिक्षण का आयोजन

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियां को समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों के इंचार्ज डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से 28 से 30 जून तक प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	27.06.2021	02	03-06

अफगानी कृषि अधिकारियों और वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगी एचएयू

माई सिटी रिपोर्टर

अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने को एचएयू में ऑनलाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के लिए हुई बैठक

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टेक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा।

एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दक्की से ऑनलाइन बैठक के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया जाएगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों के इंचार्ज डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों के लिए यह चौथा प्रशिक्षण है, जो ऑनलाइन माध्यम से 28 से 30 जून तक आयोजित किया जाएगा।

इन विषयों पर दिया जाएगा प्रशिक्षण

- खरपतवार प्रबंधन तकनीक
- समन्वित कृषि प्रणाली
- परम्परागत, आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियां का समन्वय
- खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक
- लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	**28.06.2021**	**07**	**04**

'एचएयू में बनेगा प्रकाशन क्लब'

हिसार, 27 जून (निस)

केंद्र सरकार द्वारा मनाए जा रहे अभियान आजादी का अमृत महोत्सव पर अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक प्रकाशन क्लब स्थापित किया जाएगा, जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रकाशन क्लब की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी व वैज्ञानिक अपने शोध परिणामों को एक-दूसरे के साथ सांझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे। सभी वैज्ञानिकों व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को इसमें शामिल होना अनिवार्य होगा, जिससे विश्वविद्यालय के शोध पत्रों की गुणवत्ता में सुधार होगा और उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर वाली अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जा सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	**28.06.2021**	**04**	**02-04**

'एच.ए.यू. में बनेगा जर्नल क्लब, विद्यार्थी व वैज्ञानिक होंगे लाभांन्वितः कुलपति'

हिसार, 27 जून (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक जर्नल क्लब स्थापित किया जाएगा, जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार की ओर से मनाए जा रहे अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। भविष्य में भी इस कार्यक्रम के तहत अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वैज्ञानिक व विशेषज्ञ अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे।

मुख्यातिथि ने कहा कि इस जर्नल क्लब की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी व वैज्ञानिक अपने शोध परिणामों को एक-दूसरे के साथ सांझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में एम.एच.यू. करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति के ओ.एस.डी. डा. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डा. राजवीर सिंह, विस्तार शिक्षा निदेशक डा. रामनिवास, सहित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक व विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्षों, विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	**28.06.2021**	**04**	**03-04**

एचएयू में बनेगा जर्नल क्लब विद्यार्थी होंगे लाभान्वित

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक जर्नल क्लब स्थापित किया जाएगा। जो विद्यार्थियों और विज्ञानियों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे। विश्वविद्यालय में अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में यह जानकारी कुलपति प्रो बीआर कांबोज द्वारा दी गई।

एक दूसरे से शोध कर सकेंगे साझा : इस जर्नल क्लब की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी व विज्ञानियों को अपने शोध परिणामों को एक-दूसरे के साथ सांझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे। सभी विज्ञानियों व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को इसमें शामिल होना अनिवार्य होगा, जिससे विश्वविद्यालय के शोध पत्रों की गुणवत्ता में सुधार होगा। विज्ञानियों व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शोध पत्र जमा करवाने से पहले उस पत्रिका की नास रेटिंग, स्कॉपस इंडैक्स आदि की पूरी जानकारी हासिल कर लें। कुलपति ने कहा कि उच्च श्रेणी के शोध पत्रों का प्रकाशन न केवल किसी शोधार्थी की व्यक्तिगत पहचान है बल्कि विश्वविद्यालय की रेटिंग तय होती है।

शोध क्षेत्र व प्रयोगशाला के आंकड़ों का हो विशेष ध्यान

मुख्य वक्ता ऑस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के खरपतवार विज्ञान के प्रोफेसर भागीरथ चौहान ने कहा कि किसी भी शोध पत्रिका में प्रकाशन से पूर्व ध्यान रखने वाली बातों को बारीकी से समझाया। इसके लिए अनुसंधान क्षेत्र व प्रयोगशाला में एकत्रित किए जाने वाले आंकड़ों को शामिल किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का आयोजन अनुसंधान निदेशालय द्वारा किया गया। जिसमें अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत चेयरमैन, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डा. नीरज कुमार, डॉ. सतीश कुमार सह-संयोजक रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	**28.06.2021**	**03**	**03-04**

योजना

शोध पत्रों की गुणवत्ता में होगा सुधार

एचएयू में बनेगा जर्नल क्लब

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक जर्नल क्लब स्थापित किया जाएगा, जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। भविष्य में भी इस कार्यक्रम के तहत अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वैज्ञानिक व विशेषज्ञ अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। सभी वैज्ञानिकों व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को इसमें शामिल होना अनिवार्य होगा, जिससे विश्वविद्यालय के शोध पत्रों की गुणवत्ता में सुधार होगा और उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर वाली अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जा सकेंगे।

शोध क्षेत्र व प्रयोगशाला के आंकड़ों का हो विशेष ध्यान

ऑस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के खरपतवार विज्ञान के प्रो. भागीरथ चौहान ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि किसी भी शोध पत्रिका में प्रकाशन से पूर्व अनुसंधान क्षेत्र व प्रयोगशाला में एकत्रित किए जाने वाले आंकड़ों को ध्यानपूर्वक शामिल किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार, डॉ. सतीश कुमार, एमएचयू करनाल के कुलपति प्रो. समर सिंह, कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास, सहित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक व विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्षों, विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	**28.06.2021**	**02**	**01-02**

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. मदन खिचड़

किसान खेतों में आवश्यकतानुसार निराई-गुड़ाई कर नमी संचित करें

1. नरमा/कपास व सब्जियों के खेतों में आवश्यकतानुसार निराई-गुड़ाई कर नमी संचित करें।

2. वातावरण में नमी की अधिकता व लगातार बादलवाई रहने के कारण नरमा/कपास व सब्जियों में कीटों व रोगों का प्रकोप हो सकता है। इन फसलों की लगातार निगरानी करते रहें व यदि कहीं प्रकोप दिखाई दे तो विश्वविद्यालय की सिफारिश दवाइयों की स्प्रे करें।

डॉ. मदन खिचड़
अध्यक्ष, कृषि मौसम विज्ञान विभाग, एचएयू हिसार।

3. ग्वार, बाजरा व अन्य खरीफ फसलों के लिए खेत तैयार कर उत्तम किस्मों के बीजों का प्रबंध करें व उचित नमी उपलब्ध हो तो बिजाई शुरू करें। बिजाई से पहले बीजोपचार अवश्य करें।

4. धान लगाने के लिए अच्छी तरह से खेत तैयार करें। पानी उपलब्ध होने पर धान लगाना शुरू करें।

5. यदि नर्सरी में पीलापन आए तो 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट, 0.5 प्रतिशत फेरससल्फेट व 2.5 प्रतिशत यूरिया का घोल बनाकर छिड़काव करें। यह छिड़काव आवश्यकतानुसार चार-पांच दिनों के अंतराल पर दोहराएं।

6. धान में बकानी रोग से बचाव के लिए पनीरी को उखाड़ने से 7 दिन पहले 250 ग्राम कार्बेंडाजिम प्रति आधा कनाल नर्सरी क्षेत्र में रेत में मिलाकर पनीरी में एक सार बिखेर दें। पनीरी को खड़े पानी में ही उखाड़ें।

सवाल भेजें (व्हाट्सएप नंबर) **7617566173**

मौसम का पूर्वानुमान

एचएयू के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खिचड़ के अनुसार, प्रदेश में मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील और खुश्क रहेगा। इस दौरान तापमान में हल्की बढ़ोतरी होगी और बीच-बीच में आंशिक बादल व धूल भरी हवाएं चलने की भी संभावना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	**27.06.2021**	**02**	**05-06**

15 रुपये के बीजोपचार से पाएं ग्वार में उखेड़ा रोग से छुटकारा : डॉ. यादव

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। ग्वार विशेषज्ञ डॉ. बीडी यादव ने कहा कि हरियाणा के बारानी इलाकों में ग्वार एक महत्वपूर्ण फसल है। प्रदेश के रेतीले इलाकों में जड़गलन रोग ग्वार फसल में गंभीर समस्या बनती जा रही है। उखेड़ा रोक के प्रकोप से 20 से 45 प्रतिशत खड़ी फसल मुरझाकर सूख जाती है। किसान मात्र 15 रुपये के बीज उपचार से इसे रोक सकते हैं।

गांव चिड़ौद में शनिवार उन्होंने किसानों को बीजोपचार करने के लिए विशेष तौर पर प्रशिक्षित किया। एचएयू से सेवानिवृत्त कृषि विज्ञानी डॉ. आरएस दुकिया के तत्वावधान में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में डॉ. यादव ने कहा कि ग्वार में कम पैदावार होने का उखेड़ा बीमारी एक मुख्य कारण है। उखेड़ा यानि जड़गलन की रोकथाम के लिए 3 ग्राम कार्बनडाजिम 50 प्रतिशत बेविस्टीन प्रतिकिलो बीज की दर से सूखा उपचारित करने के बाद ही बिजाई करनी चाहिए। ऐसा करने से 80 से 85 प्रतिशत इस रोग पर काबू पाया जा सकता है।

जड़गलन रोक का यह इलाज केवल 15 रुपये के बीजोपचार से संभव है। इस मौके पर प्रगतिशील किसान रमेश श्योराण, अजीत सिंह, कृष्ण कुमार, रामस्वरूप, सुभाष, महीपाल, वजीर सिंह व करतार सिंह मौजूद रहे।

अफगानिस्तान के कृषि वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा हकृवि

हिसार/26 जून/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाईन किया जाएगा। यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने युनाइटिड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दक्की से ऑनलाईन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटिड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया जाएगा। इसे विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियों का समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं अंतर्राष्ट्रीय मामलों के इंचार्ज डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने हेतू विश्वविद्यालय की ओर से अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों के लिए चार प्रशिक्षण आयोजित कर चुका है, जिनमें से तीन ऑनलाईन व एक ऑफलाईन माध्यम से आयोजित किए गए। कोरोना महामारी के चलते तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण को भी ऑनलाईन माध्यम से 28 से 30 जून तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीक प्रतिभागियों के लिए बहुत ही लाभदायक होंगी और भविष्य में कृषि विज्ञान, कृषि व्यवसाय व स्टार्टअप प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने में सहायक होंगी।

एचएयू में विद्यार्थी स्मार्ट क्लास रूम में करेंगे पढ़ाई: प्रो.काम्बोज

पल पल न्यूज: हिसार, 25 जून। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ाई करते नजर आएंगे। इसके लिए प्रथम चरण की शुरूआत हो चुकी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कृषि महाविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर कक्ष का उद्घाटन कर इसकी विधिवत रूप से शुरूआत की है। स्नातकोत्तर कक्ष के उद्घाटन से कृषि महाविद्यालय के स्नातकोत्तर और पीएचडी के विद्यार्थियों को लाभ होगा। उद्घाटन के उपरांत कुलपति ने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्ष बनाएं जाएंगे जिसमें विद्यार्थियों को आधुनिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी जिसमें इंटरनेट

एचएयू के सस्य विज्ञान विभाग में स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन करते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य।

सेवाएं, मल्टीमीडिया, टच स्क्रीन एलईडी व अन्य आवश्यक सेवाएं मुहैया करवाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का हमेशा प्रयास रहता है कि विद्यार्थियों को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान की जाएं। इसके लिए समय-समय पर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित करवाए जाते है ताकि विद्यार्थियों का उसी अनुसार प्रदर्शन हो सके। स्मार्ट रूप कक्षा के उद्घाटन के अलावा कृषि महाविद्यालय की कैंटीन का भी उद्घाटन किया गया, जो बाहर से आने वाले आगंतुकों व किसानों के लिए लाभदायक होगी। कुलपति ने कहा कि इस कैंटीन में न्यूनतम दर पर उत्पादों की बिक्री की जानी चाहिए ताकि सभी इसका आसानी से लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि कैंटीन में साफ-सफाई व कोरोना महामारी के दौरान केंद्र व राज्य सरकार की जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा ने कुलपति का स्वागत करते हुए कृषि महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा, गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, मानव संसाधन निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, डॉ. अमरजीत कालड़ा, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. ठकरॉल सहित सभी अधिष्ठाता, निदेशक एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

dailyhunt

हिन्दुस्थान समाचार
587k Followers

हिसार: एचएयू में विद्यार्थी स्मार्ट क्लास रूम में करेंगे पढ़ाई : प्रो.बीआर काम्बोज

25 Jun 2021 · 6:13 PM

-प्रथम चरण में स्नातकोत्तर स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन किया

हिसार, 25 जून (हि.स.)। यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ाई करते नजर आएंगे। इसके लिए प्रथम चरण की शुरुआत हो चुकी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने शुक्रवार को कृषि महाविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर कक्षा का उद्घाटन कर इसकी विधिवत रूप से शुरुआत की है। स्नातकोत्तर कक्षा के उद्घाटन से कृषि महाविद्यालय के स्नातकोत्तर और पीएचडी के विद्यार्थियों को लाभ होगा।

उद्घाटन के उपरांत कुलपति ने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्षा कक्ष बनाए जाएंगे जिसमें विद्यार्थियों को आधुनिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी जिसमें इंटरनेट सेवाएं, मल्टीमीडिया, टच स्क्रीन एलईडी व अन्य आवश्यक सेवाएं मुहैया करवाई जाएंगी।

यहां कोविड से संबंधित सभी नए अपडेट पढ़ें

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का हमेशा प्रयास रहता है कि विद्यार्थियों को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान की जाएं। इसके लिए समय-समय पर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित करवाए जाते हैं ताकि विद्यार्थियों का उच्च अनुभव प्रदर्शन हो सके। स्मार्ट क्लास कक्षा के उद्घाटन के अलावा कृषि महाविद्यालय की कैंटीन का भी उद्घाटन किया गया, जो बाहर से आने वाले आगन्तुकों व किसानों के लिए लाभदायक होगी। कुलपति ने कहा कि इस कैंटीन में उपयुक्त दर पर उत्पादों की बिक्री की जानी चाहिए ताकि सभी इसका आसानी से लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि कैंटीन में साफ-सफाई व कोरोना महामारी के दौरान केंद्र व राज्य सरकार की जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/संजीव

अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए एचएयू में ऑनललाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण को लेकर बैठक आयोजित

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा।

यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दक्की से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया जाएगा।

बैठक के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य।

इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियां को समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रतिभागियों के लिए होगा लाभदायक

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों के इंचार्ज डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने हेतु विश्वविद्यालय की ओर से अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों के लिए चार प्रशिक्षण आयोजित कर चुका है, जिनमें से तीन ऑनलाइन व एक ऑफलाइन माध्यम से आयोजित किए गए। कोरोना महामारी के चलते तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण को भी ऑनलाइन माध्यम से 28 से 30 जून तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीक प्रतिभागियों के लिए बहुत ही लाभदायक होंगी और भविष्य में कृषि विज्ञान, कृषि व्यवसाय व स्टार्टअप प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने में सहायक होंगी।

एचएयू में बनेगा जर्नल क्लब, विद्यार्थी व वैज्ञानिक होंगे लाभान्वित:प्रो. काम्बोज

पल पल न्यूज: हिसार, 27 जून। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक जर्नल क्लब स्थापित किया जाएगा जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार की ओर से मनाए जा रहे अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। भविष्य में भी इस कार्यक्रम के तहत अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वैज्ञानिक व विशेषज्ञ अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। मुख्यातिथि ने कहा कि इस जर्नल क्लब की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी व वैज्ञानिक अपने शोध परिणामों को एक-दुसरे के साथ सांझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे। सभी वैज्ञानिकों व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को इसमें शामिल होना अनिवार्य होगा, जिससे विश्वविद्यालय के शोध पत्रों की गुणवत्ता में सुधार होगा और उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर वाली अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जा सकेंगे। उन्होंने वैज्ञानिक व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शोध पत्र जमा करवाने से पहले उस पत्रिका की नास रेटिंग, स्कॉपस इंडैक्स आदि की पूरी जानकारी हासिल कर लें ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके अलावा उन्होंने अलग-अलग विषयों के विशेषज्ञों की टीम गठित करने का आह्वान किया ताकि उच्च गुणवत्ता की शोध की जा सके और शोध पत्र भी उच्च श्रेणी की पत्रिकाओं में प्रकाशित हो सकें। कुलपति ने कहा कि उच्च श्रेणी के शोध पत्रों का प्रकाशन न केवल किसी शोधार्थी की व्यक्तिगत पहचान है बल्कि किसी भी विश्वविद्यालय की रेटिंग तय करने में भी अहम भूमिका निभाते है।

हिसार: हिसार HAU में विद्यार्थी अब स्मार्ट क्लासरूम में करेंगे पढ़ाई : कुलपति

हरिभूमि (/)

We'd like to show you notifications for latest updates.
You can unsubscribe from notifications anytime.
Later Allow
Powered by iZooto (https://www.izooto.com/getting-started-with-izooto?utm_source=referral&utm_medium=PoweredBy&utm_campaign=https%3A%2F%2Fwww.haribhoomi.com)

अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू

यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े मूर एम. सिद्दकी से ऑनलाइन बैठक के बाद दी।

Write With Confidence
Check your grammar, spelling, and punctuation instantly with Grammarly
Grammarly

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

Ashwani Kumar (/Ashwani-Kumar) Created On: 26 Jun 2021 2:59 PM Last Updated On: 26 Jun 2021 8:29 PM

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा।

यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े मूर एम. सिद्दकी से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे।

एचएयू में बनेगा जनरल क्लब, विद्यार्थी व वैज्ञानिक होंगे लाभांवित : प्रो. काम्बोज

हिसार, 27 जून (राजकुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक जर्नल क्लब स्थापित किया जाएगा, जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार की ओर से मनाए जा रहे अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। भविष्य में भी इस कार्यक्रम के तहत अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वैज्ञानिक व विशेषज्ञ अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। मुख्यातिथि ने कहा कि इस जर्नल क्लब की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी व वैज्ञानिक अपने शोध परिणामों को एक-दूसरे के साथ सांझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे।

कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

विश्वविद्यालय में 'आज़ादी का अमृत' महोत्सव के उपलक्ष्य में व्याख्यान आयोजित

ऑस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के खरपतवार विज्ञान के प्रोफेसर भागीरथ चौहान ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि किसी भी शोध पत्रिका में प्रकाशन से पूर्व ध्यान रखने वाली बातों को बारीकी से समझाया। कार्यक्रम का आयोजन अनुसंधान निदेशालय की ओर से किया गया था, जिसमें अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत चैयरमेन, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार संयोजक व प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश कुमार सह-संयोजक थे। इस कार्यक्रम में एमएचयू करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास, सहित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक व विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्षों, विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू : प्रो. काम्बोज

हिसार, 26 जून (राजकुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दकी से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया जाएगा। इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने हेतु एचएयू में बैठक सम्पन्न

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियां को समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रतिभागियों के लिए होगा लाभदायक : स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों के इंचार्ज डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने हेतू विश्वविद्यालय की ओर से अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों के लिए चार प्रशिक्षण आयोजित कर चुका है, जिनमें से तीन ऑनलाइन व एक ऑफलाइन माध्यम से आयोजित किए गए। कोरोना महामारी के चलते तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण को भी ऑनलाइन माध्यम से 28 से 30 जून तक आयोजित किया जाएगा।

'अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू'

■ अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए एचएयू में ऑनललाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण को लेकर बैठक आयोजित

हिसार (सच कहूँ न्यूज)।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दकी से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया जाएगा। इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियां को समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एचएयू में रिसर्च के लिए बनेगा अंतरराष्ट्रीय स्तर का जर्नल क्लब

गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर के प्रकाशन को मिल सकेगा बढ़ावा

■ विद्यार्थी व वैज्ञानिक होंगे लाभांन्वित

सच कहूँ/संदीप सिंहमार।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक जर्नल क्लब स्थापित किया जाएगा,जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे। इस जर्नल क्लब की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी व वैज्ञानिक अपने शोध परिणामों को एक-दूसरे के साथ सांझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं मे शोध प्रकाशन की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे। सभी वैज्ञानिकों व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को

इसमें शामिल होना अनिवार्य होगा,जिससे विश्वविद्यालय के शोध पत्रों की गुणवत्ता में सुधार होगा और उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर वाली अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जा सकेंगे। दरअसल विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार की ओर से मनाए जा रहे अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं मे शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी शुरू की गई है। इस दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन ने जर्नल क्लब बनाने पर मंथन कर अंतिम मुहर लगा दी।

विश्वविद्यालय की रेटिंग तय करते हैं शोध

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिक व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शोध पत्र जमा करवाने से पहले उस पत्रिका की नास रेटिंग, स्कॉपस इंडैक्स आदि की पूरी जानकारी हासिल कर लें ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके अलावा उन्होंने अलग-अलग विषयों के विशेषज्ञों की टीम गठित करने का आह्वान किया ताकि उच्च गुणवत्ता की शोध की जा सके और शोध पत्र भी उच्च श्रेणी की पत्रिकाओं में प्रकाशित हो सकें। कुलपति ने कहा कि उच्च श्रेणी की के शोध पत्रों का प्रकाशन न केवल किसी शोधार्थी की व्यक्तिगत पहचान है बल्कि किसी भी विश्वविद्यालय की रेटिंग तय करने में भी अहा भूमिका निभाते हैं।

प्रयोगशाला के आंकड़ों पर विशेष ध्यान

ऑस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के खरपतवार विज्ञान के प्रोफेसर भागीरथ चौहान ने कहा कि किसी भी शोध पत्रिका में प्रकाशन से पूर्व ध्यान रखने वाली बातों को बारीकी से समझाया। उन्होंने कहा कि इसके लिए अनुसंधान क्षेत्र व प्रयोगशाला में एकत्रित किए जाने वाले आंकड़ों को ध्यानपूर्वक शामिल किया जाना चाहिए ताकि उच्च श्रेणी की शोध पत्रिकाओं मे प्रकाशित हो सकें। उन्होंने कहा कि शोध पत्र लिखने के पश्चात उसकी शैली, भाषा, साहित्य दोहराव आदि की अच्छे से जांच की जानी चाहिए।

अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

चंडीगढ़,आहूजा(पंजाब केसरी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। क्षण का आयोजन अमेरिका के निया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा।यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम. सिद्दक्की से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे।

अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू -प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 26 जून : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दकी से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया जाएगा। इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियां को समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों के इंचार्ज डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने हेतू विश्वविद्यालय की ओर से अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों के लिए चार प्रशिक्षण आयोजित कर चुका है, जिनमें से तीन ऑनलाइन व एक ऑफलाइन माध्यम से आयोजित किए गए। कोरोना महामारी के चलते तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण को भी ऑनलाइन माध्यम से 28 से 30 जून तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीक प्रतिभागियों के लिए बहुत ही लाभदायक होंगी और भविष्य में कृषि विज्ञान, कृषि व्यवसाय व स्टार्टअप प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने में सहायक होंगी।

अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू -प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 26 जून : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दकी से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया जाएगा। इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियां को समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों के इंचार्ज डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने हेतू विश्वविद्यालय की ओर से अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों के लिए चार प्रशिक्षण आयोजित कर चुका है, जिनमें से तीन ऑनलाइन व एक ऑफलाइन माध्यम से आयोजित किए गए। कोरोना महामारी के चलते तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण को भी ऑनलाइन माध्यम से 28 से 30 जून तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीक प्रतिभागियों के लिए बहुत ही लाभदायक होंगी और भविष्य में कृषि विज्ञान, कृषि व्यवसाय व स्टार्टअप प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने में सहायक होंगी।

प्रथम चरण में स्नातकोत्तर स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन किया, जल्द ही सभी कॉलेजों में बनाए जाएंगे स्मार्ट रूम

एचएयू में विद्यार्थी स्मार्ट क्लास रूम में करेंगे पढ़ाई : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ाई करते नजर आएंगे। इसके लिए प्रथम चरण की शुरूआत हो चुकी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कृषि महाविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर कक्ष का उद्घाटन कर इसकी विधिवत रूप से शुरूआत की है। स्नातकोत्तर कक्ष के उद्घाटन से कृषि महाविद्यालय के स्नातकोत्तर और पीएचडी के विद्यार्थियों को लाभ होगा। उद्घाटन के उपरांत कुलपति ने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्ष बनाएं जाएंगे जिसमें विद्यार्थियों को आधुनिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी जिसमें इंटरनेट सेवाएं, मल्टीमीडिया, टच स्क्रीन एलईडी व अन्य

आवश्यक सेवाएं मुहैया करवाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का हमेशा प्रयास रहता है कि विद्यार्थियों को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान की जाएं। इसके लिए समय-समय पर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित करवाए जाते है ताकि विद्यार्थियों का उसी अनुसार प्रदर्शन हो सके। स्मार्ट रूप कक्षा के उद्घाटन के अलावा कृषि महाविद्यालय की कैंटीन का भी उद्घाटन किया गया, जो बाहर से आने वाले आगंतुकों व किसानों के लिए लाभदायक होगी। कुलपति ने कहा कि इस कैंटीन में न्यूनतम दर पर उत्पादों की बिक्री की जानी चाहिए ताकि सभी इसका आसानी से लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि कैंटीन में साफ-सफाई व कोरोना महामारी के दौरान केंद्र व राज्य सरकार की जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा ने कुलपति का स्वागत करते हुए कृषि महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा, गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, मानव संसाधन निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, डॉ. अमरजीत कालड़ा, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. ठकराल सहित सभी अधिष्ठाता, निदेशक एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

एचएयू में विद्यार्थी स्मार्ट क्लास रूम में करेंगे पढ़ाई : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ाई करते नजर आएंगे। इसके लिए प्रथम चरण की शुरूआत हो चुकी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कृषि महाविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर कक्ष का उद्घाटन कर इसकी विधिवत रूप से शुरूआत की है। स्नातकोत्तर कक्ष के उद्घाटन से कृषि महाविद्यालय के स्नातकोत्तर और पीएचडी के विद्यार्थियों को लाभ होगा। उद्घाटन के उपरांत कुलपति ने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्ष बनाएं जाएंगे जिसमें विद्यार्थियों को

प्रथम चरण में स्नातकोत्तर स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन किया, जल्द ही सभी कॉलेजों में बनाए जाएंगे स्मार्ट रूम

आधुनिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी जिसमें इंटरनेट सेवाएं, मल्टीमीडिया, टच स्क्रीन एलईडी व अन्य आवश्यक सेवाएं मुहैया करवाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का हमेशा प्रयास रहता है कि विद्यार्थियों को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान की जाएं। इसके लिए समय-समय पर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित करवाए जाते हैं ताकि विद्यार्थियों का उसी अनुसार प्रदर्शन हो सके। स्मार्ट रूप कक्षा के उद्घाटन के अलावा कृषि महाविद्यालय की कैंटीन का भी उद्घाटन किया गया, जो बाहर से आने वाले आगंतुकों व किसानों के लिए लाभदायक होगी। उन्होंने कहा कि कैंटीन में साफ-सफाई व कोरोना महामारी के दौरान केंद्र व राज्य सरकार की जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा ने कुलपति का स्वागत करते हुए कृषि महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा आदि उपस्थित थे।

एचएयू में बनेगा प्रकाशन क्लब, विद्यार्थी व वैज्ञानिक होंगे लाभांन्वित : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक प्रकाशन क्लब स्थापित किया जाएगा, जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार की ओर से मनाए जा रहे अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। भविष्य में भी इस कार्यक्रम के तहत अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वैज्ञानिक व विशेषज्ञ अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। मुख्यातिथि ने कहा कि इस प्रकाशन क्लब की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी व वैज्ञानिक अपने शोध परिणामों को एक-दूसरे के साथ सांझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे। सभी वैज्ञानिकों व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को इसमें शामिल होना अनिवार्य होगा, जिससे विश्वविद्यालय के शोध पत्रों की गुणवत्ता में सुधार होगा और उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर वाली अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जा सकेंगे। उन्होंने वैज्ञानिक व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शोध पत्र जमा करवाने से पहले उस पत्रिका की नास रेटिंग, स्कॉपस इंडैक्स आदि की पूरी जानकारी हासिल कर लें। कार्यक्रम का आयोजन अनुसंधान निदेशालय की ओर से किया गया था, जिसमें अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत चैयरमेन, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार संयोजक व प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश कुमार सह-संयोजक थे। इस कार्यक्रम में एमएचयू करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास, सहित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक व विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्षों, विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में व्याख्यान आयोजित

अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू : कुलपति बीआर काम्बोज

अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण को लेकर बैठक आयोजित

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दक्की से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजैक्ट के तहत करवाया जाएगा। इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियां को समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

हिसार। बैठक के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति बी. आर. काम्बोज व अन्य।

प्रतिभागियों के लिए होगा लाभदायक

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों के इंचार्ज डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण को भी ऑनलाइन माध्यम से 28 से 30 जून तक आयोजित किया जाएगा।

एचएयू में बनेगा जर्नल क्लब, विद्यार्थी व वैज्ञानिक होंगे लाभांन्वित : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में व्याख्यान आयोजित

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक जर्नल क्लब स्थापित किया जाएगा, जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार की ओर से मनाए जा रहे अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। भविष्य में भी इस कार्यक्रम के तहत अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वैज्ञानिक व विशेषज्ञ अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। मुख्यातिथि ने कहा कि इस जर्नल क्लब की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी व वैज्ञानिक अपने शोध परिणामों को एक-दूसरे के साथ सांझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे। सभी वैज्ञानिकों व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को इसमें शामिल होना अनिवार्य होगा, जिससे विश्वविद्यालय के शोध पत्रों की गुणवत्ता में सुधार होगा और उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर वाली अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जा सकेंगे। उन्होंने वैज्ञानिक व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शोध पत्र जमा करवाने से पहले उस पत्रिका की नास रेटिंग, स्कॉपस इंडैक्स आदि की पूरी जानकारी हासिल कर लें ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके अलावा उन्होंने अलग-अलग विषयों के विशेषज्ञों की टीम गठित करने का आह्वान किया ताकि उच्च गुणवत्ता की शोध की जा सके और शोध पत्र भी उच्च श्रेणी की पत्रिकाओं में प्रकाशित हो सकें। कुलपति ने कहा कि उच्च श्रेणी की के शोध पत्रों का प्रकाशन न केवल किसी शोधार्थी की व्यक्तिगत पहचान है बल्कि किसी भी विश्वविद्यालय की रेटिंग तय करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य।

शोध क्षेत्र व प्रयोगशाला के आंकड़ों का हो विशेष ध्यान

ऑस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के खरपतवार विज्ञान के प्रोफेसर भागीरथ चौहान ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि किसी भी शोध पत्रिका में प्रकाशन से पूर्व ध्यान रखने वाली बातों को बारीकी से समझाया। उन्होंने कहा कि इसके लिए अनुसंधान क्षेत्र व प्रयोगशाला में एकत्रित किए जाने वाले आंकड़ों को ध्यानपूर्वक शामिल किया जाना चाहिए ताकि उच्च श्रेणी की शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो सकें। उन्होंने कहा कि शोध पत्र लिखने के पश्चात उसकी शैली, भाषा, साहित्य दोहराव आदि की अच्छे से जांच की जानी चाहिए। कार्यक्रम का आयोजन अनुसंधान निदेशालय की ओर से किया गया था, जिसमें अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत चैयरमेन, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार संयोजक व प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश कुमार सह-संयोजक थे। इस कार्यक्रम में एमएचयू करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास, सहित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक व विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्षों,विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू

पल पल न्यूज: हिसार, 26 जून। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दकी से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया जाएगा। इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियां को समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।